अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

पाठ्यक्रम विवरण एवं अंक विभाजन

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
प्रथम	1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)	80	20	100
	2	प्राचीन काव्य	80	20	100
	3	आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक एवं निबंध)	80	20	100
	4	भाषा विज्ञान	80	20	100
				योग	400

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
द्वितीय	1	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल,)	80	20	100
	2	मध्यकालीन काव्य	80	20	100
	3	आधुनिक गद्य साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	80	20	100
	4	हिन्दी भाषा	80	20	100
				योग	400

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
तृतीय	1	भारतीय काव्यशास्त्र	80	20	100
	2	आधुनिक काव्य	80	20	100
	3	प्रयोजन मूलक हिन्दी	80	20	100
	4	भारतीय साहित्य	80	20	100
				योग	400

सेमेस्टर	प्रश्न पत्र	विषय/प्रश्न पत्र का नाम	अंक विभाजन		
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	पूर्णांक
चतुर्थ	1	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	80	20	100
	2	छायावादोत्तर काव्य	80	20	100
	3	पत्रकारिता प्रशिक्षण	80	20	100
	4	लोक साहित्य, छत्तीसगढ़ी भाषा का साहित्य	80	20	100
				योग	400
				कुल योग	1600

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

सेमेस्टर–I

प्रश्नपत्र–I (अनिवार्य)

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

पूर्णांकः– 100

मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80

आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावनाः–किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा, एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप यहां के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी इसे देखा–परखा जा सकता है। हिन्दी क्षेत्र परिस्थितियों से कमोबेस पूरा भारत प्रभावित है। आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्य विषयः–

इकाई– 01इतिहास–दर्शन और साहित्येतिहास, हिन्दी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ, हिन्दी साहित्य का इतिहास , काल, विभाजन ,सीमा निर्धारण और नामकरण की समस्याएँ।

इकाई–02 हिन्दी साहित्य–आदिकाल की पृष्ठभूमि, वीरगाथाकाल तथा सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो आदिकालीन काव्य, जैन साहित्य, साहित्यिक प्रवृत्तियॉ, काव्य धाराएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ –> गद्य

इकाई–03 पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन तथा रचनाएँ।

इकाई–04 उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल–सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति, एवं लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीति बद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) प्रवृत्तियाँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।

इकाई–05 लघुउत्तरीय प्रश्न एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न, सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किये जायेंगे।

इकाई विभाजन	अंक विभाजन
इकाई01–आलोचनात्मक प्रश्न 01	15×1 =15
इकाई02– आलोचनात्मक प्रश्न 01	15×1 =15
इकाई03– आलोचनात्मक प्रश्न 01	15×1 =15
इकाई04– आलोचनात्मक प्रश्न 01	15×1 =15
इकाई05– लघुत्तरीय प्रश्न (पाँच)	5×2 =10
अतिलघुत्तरीय /वस्तुनिष्ठ प्रश्न (दस)	10×1 =10

आंतरिकमूल्यांकन =20

सहायक पुस्तकेः–

• हिन्दी साहित्य का इतिहास	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
• हिन्दी साहित्य का इतिहास	डॉ. नगेन्द्र
• हिन्दी साहित्य का आदिकाल	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
• हिन्दी साहित्य	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
• दूसरी परम्परा की खोज	डॉ. नामवर सिंह
• हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ. नामवर सिंह
• हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	डॉ. नंद दुलारे वाजपेयी

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

सेमेस्टर–I

प्रश्नपत्र–II (अनिवार्य)

प्राचीन काव्य

पूर्णांकः– 100

मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80

आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावनाः–हिन्दी के आदिकालीन काव्य अपनी पृष्ठभूमि मेंअपभ्रंश के अवदान को पूरी तरह समेटे हुए है। प्रबंध, मुक्तक आदि काव्यरूपों में रचित और अपभ्रंश, अवहट्ट एवं देशी भाषा में अभिव्यंजित आदिकालीन साहित्य की परवर्ती कालों को प्रभावित करने में संक्रिय एवं सक्षम भूमिका रही है। इसके अध्ययन के बिना किसी भी काल का वास्तविक मूल्यांकन संभव नहीं है। पूर्वमध्यकालीन (भक्तिकालीन) काव्य लोक–जागरण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की भावात्मक एकता और सांस्कृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्न पत्र में 03 कवियों का अध्ययन अपेक्षित है। उनकी कालजयी कृतियों का उल्लेख यहां किया दिया गया है। द्रुतपाठ के अध्ययन के लिए 05 कवि चयनित है। व्याख्या एवं विवेचना के लिए निम्नांकित 03 कवियों का अध्ययन किया जाएगा।

इकाई 01:–विद्यापति– व्याख्या– विद्यापति पदावली, संपादक–रामवृक्ष बेनीपुरी, प्रारंभिक 20 पद

आलोचना– व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भक्ति भावना, श्रृगांर वर्णन, प्रकृति चित्रण, सौंदर्य चित्रण, गीत पद्धति, काव्य कला, अंलकार योजना, भाषा, संस्कृत साहित्य का प्रभाव।

इकाई 02:– कबीर व्याख्या– कबीर ग्रंथावली, संपा– डॉ. श्यामसुन्दर दास 80 साखियाँ तथा 20 पद निर्धारित साखियाँ एवं पद – गुरूदेव को अंग – 01 से 20, सुमिरण का अंग– 1 से 10, विरह का अंग– 1 से 10, रस का अंग– 1 से 10, ग्यान विरह का अंग – 1से 10, परचा का अंग– 1 से 10तक

पद संख्या – 11, 16, 23, 24, 27, 33, 40, 43, 49, 51, 64, 70, 72, 74, 89, 92, 95, 98, 103, 108(20 पद)

आलोचना – व्यक्तित्व एवं कृतित्व, धार्मिक विचार, सामाजिक विचार, प्रेमतत्व, विरह भावना, रहस्यवाद, दार्शनिकता, उलटवासिया और प्रतीक पद्धति, काव्यकला, अंलकार योजना, भाषा।

इकाई 03:– व्याख्या– जायसी " व्यक्तित्व एवं कृतित्व, पद्मावत में प्रेमभाव, सौन्दर्य वर्णन, विरह वर्णन, रहस्यभावना एवं दर्शन, प्रकृति चित्रण, चरित्र चित्रण, महाकाव्यत्व, लोकतत्व, काव्यकला, भाषा, अंलकार योजना।

इकाई 04:–द्रुतपाठ के अंतर्गत निम्नांकित पांच कवियों का सामान्य अध्ययन किया जायेगा।

1– अमीर खुसरो 2–रसखान 3– मीरा बाई 4– रैदास 5– रहीम

इकाई 05:– वस्तुनिष्ठ/अतिलघु उत्तरीय प्रश्न – सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से किए जायेगें।

इकाई विभाजन	अंक विभाजन
इकाई 01– विद्यापति व्याख्या	07
विद्यापति आलोचना	08
इकाई 02– कबीर व्याख्या	07
कबीर आलोचना	08
इकाई 03– जायसी व्याख्या	07
जायसी आलोचना	08
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न दो	7/8
इकाई 05– लधुउत्तरीय प्रश्न पांच	5×2=10
अतिलधुउत्तरीय सम्पूर्ण पाठय दस	10×1=10
	योग = 80
	आंतरिक मूल्यांकन = 20

सहायक पुस्तके–

1. कबीर और आधुनिक हिन्दी काव्य – डॉ. ललित राठोड, समता प्रकाशन।
2. कबीर की विचारधारा –श्री गोविंद त्रिगुणायत।
3. विद्यापति व्यक्ति और कृतित्व – डॉ. रामसजन पाण्डेय, समता प्रकाशन।
4. भक्ति आंदोलन और मध्यकालीन हिन्दी भक्ति काव्य – डॉ. सुरेशचन्द्र।
5. जायसी और कबीर – सामाजिक संस्कृति के संदर्भ में – डॉ. डी.आर.राहुल।
6. जायसी –श्री विजय देवनारायण साही।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

सेमेस्टर–I

प्रश्नपत्र–III (अनिवार्य)

आधुनिक गद्य साहित्य (नाटक एवं निबंध)

पूर्णांकः– 100

मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80

आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावना– आधुनिक काव्य में साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव–मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग–विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन पूर्ण रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढ़ंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस बात की पुष्टि करता है। नाटक,निबंध तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। प्राकृतिक परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन की विकास–प्रकिया के साथ इस प्रश्न पत्र में 02 नाटक 05 निबंध पठनीय है।

पाठ्य विषयः– व्याख्या एवं विवेचना के लिए निर्धारित–

नाटक–

इकाई 01:– व्याख्या चन्द्रगुप्त (जयशंकर प्रसाद)

समीक्षा – जयशंकर प्रसाद व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नाटक के तत्वों के आधार पर चन्द्रगुप्त नाटक की समीक्षा।

इकाई 02:– व्याख्या– आषाढ़ का एक दिन (मोहन राकेश)

समीक्षा – मोहन राकेश व्यक्तित्व एवं कृतित्व, नाटक के तत्व के आधार पर आषाढ़ का एक दिन की समीक्षा।

इकाई 03:– निबंध

1. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी – साहित्य की महत्ता।
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल – करूणा।
3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल।
4. विद्यानिवास मिश्र – चंद्रमा मनसो जात।
5. हरिशंकर परसाई – भोलाराम का जीव।

इकाई 04:–द्रुतपाठ के अंतर्गत निम्नांकित नाटककार एवं निबंधकार का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है।

1. नाटककार–

1.– भारतेन्दु हरिशचन्द्र

2.– डॉ. रामकुमार वर्मा

3.–लक्ष्मीनारायण लाल
4.– धर्मवीर भारती
5.– जगदीशचन्द्र माथुर

2. निबंधकार–

1.– भारतेन्दु हरिशचन्द्र
2.– प्रतापनारायण मिश्र
3.– डॉ. नगेन्द्र
4.– विद्यानिवास मिश्र
5.– गोपाल चतुर्वेदी

इकाई विभाजन	अंक विभाजन
इकाई 01– चन्द्रगुप्त व्याख्या	07
चन्द्रगुप्त समीक्षा	08
इकाई 02– आषाढ़ का दिन व्याख्या	07
आषाढ़ का दिन समीक्षा	08
इकाई 03– निर्धारित निबंधों से व्याख्या	07
निर्धारित निबंधों से समीक्षा	08
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न दो	7/8
इकाई 05– लघुउत्तरीय प्रश्न पांच	5×2=10
अतिलघुउत्तरीय सम्पूर्ण पाठ्य दस	10×1=10
	योग = 80
	आंतरिक मूल्यांकन = 20

सहायक पुस्तकें:–

1. हिन्दी नाटक विमर्श – डॉ. देवीदास इंगले
2. साठोत्तरी हिन्दी नाटक में युग चेतना – डॉ. विजया गाड़वे
3. मोहन राकेश और उनके नाटक – गिरीश रस्तोगी
4. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ प्रसाद शर्मा
5. निबंध प्रभा – डॉ. श्रीमती शीलप्रभा मिश्र
6. साठोत्तर हिन्दी नाटकों की सामाजिक चेतना – डॉ. श्रीमती जयश्री शुक्ल
7. रचना का नया परिदृश्य – डॉ. श्रीमती जयश्री शुक्ल

सेमेस्टर–I
प्रश्नपत्र–IV (अनिवार्य)
भाषा विज्ञान

पूर्णांकः– 100
मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80
आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावना–साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषाविज्ञान की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाईयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर, उनके अंतःसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतदृष्टि देता है अपितु भाषा–विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है।

पाठ्य विषयः–

इकाई 01– भाषा और भाषा विज्ञान – भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण, भाषा व्यवस्था और भाषा–व्यवहार, भाषा संरचना और भाषिक–प्रकार्य। भाषा विज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति , अध्ययन की दिशायें– वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक।

इकाई 02– स्वन प्रकिया – स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखायें, वागवयव और उनके कार्य, स्वन की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, स्वनगुण, स्वनिक परिवर्तन। स्वनिम विज्ञान का स्वरूप, स्वनिम की अवधारणा, स्वनिम के भेद, स्वनिमिक विश्लेषण।

इकाई 03– व्याकरण – रूप प्रकिया का स्वरूप और शाखायें– रूपिम की अवधारणा और भेद मुक्त– आबध्य, अर्थ दर्षी और संबंध दर्षी, रूपिम के भेद और प्रकार्य। वाक्य की अवधारणा, वाक्य के भेद, वाक्य विश्लेषण, निकटस्थ अवयव विश्लेषण, गहन–संरचना और बाह्य संरचना।

इकाई 04– अर्थ विज्ञान – अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध , पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ परिवर्तन।

इकाई 05– लघुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न संपूर्ण पाठ्यकम से किया जायेगा।

अंक विभाजन

आलोचनात्मक प्रश्न (इकाई एक, दो, तीन, चार से एक–एक प्रश्न)	15×4 = 60
अतिलघुउत्तरीय / लघुउत्तरीय (पांच)	05×2 = 10
वस्तुनिष्ठ प्रश्न (दस) (इकाई पांच से)	10×1 = 10
	योग = 80
	आंतरिक मूल्य = 20

सहायक पुस्तकें:–

1. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ.भोलानाथ तिवारी
2. हिन्दी विज्ञान – डॉ.देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान एवं भाषा विचार – डॉ. पोतदार, डॉ. खराटे
4. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ.बी.डी. शर्मा
5. सामान्य भाषा विज्ञान – डॉ.बाबू राम सक्सेना

सेमेस्टर–II
प्रश्नपत्र–I (अनिवार्य)
हिन्दी साहित्य का इतिहास–आधुनिक काल

पूर्णांकः– 100
मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80
आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावना –किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप यहां के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, फलतः साहित्यिक रूपों में भी बदलाव आ जाता है। इस बदली हुयी विकास प्रकिया को साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही देखा–परखा जा सकता है। हिन्दी क्षेत्र की परिस्थितियों से कामोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूंज हिन्दी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं–नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा–शैलियों का ज्ञान हिन्दी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक एवं समीचीन है।

पाठ्य विषयः–

इकाई 01–
1. आधुनिक काल की सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि सन् 1856 ई. की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
2. भारतेन्दु युग– प्रमुख साहित्यिकार , रचनाएं और साहित्यिक विशेषतायें।
3. द्विवेदी युग – प्रमुख साहित्यिकार , रचनाएं और साहित्यिक विशेषतायें।

इकाई 02–
1.हिन्दी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास, छायावादी काव्य, प्रमुख साहित्यिकार , रचनाएं और साहित्यिक विशेषतायें।
2. उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, नवगीत, समकालीन कविता। प्रमुख साहित्यिकार , रचनाएं और साहित्यिक विशेषतायें।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

इकाई 03– 1. हिन्दी गद्य की प्रमुख विधायें– कहानी ,उपन्यास, नाटक, एकांकी, निबंध का विकास।

इकाई 04– हिन्दी की अन्य गद्य विधायें– रेखाचित्र, स्मरण, यात्रा साहित्य, आत्मकथा, जीवनी और रिपोतार्ज का विकासात्मक अध्ययन।

इकाई 05– लधुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न संपूर्ण पाठ्यकम से किये जायेगें।

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई 01– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 02– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 03– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 05– लधुउत्तरीय प्रश्न (पांच)	01	05×2 = 10
अतिलधुउत्तरीय / वस्तुनिष्ठ (दस)		10×1 = 10
		योग = 80
		आंतरिक अंक = 20

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र
3. हिन्दी साहित्य का आदिकाल – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. हिन्दी साहित्य – आचार्यहजारी प्रसाद द्विवेदी
5. दूसरी परम्परा की खोज – डॉ. नामवर सिंह
6. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास – डॉ. नंद दुलारे बाजपेयी

सेमेस्टर–II
प्रश्नपत्र–II (अनिवार्य)
मध्यकालीन काव्य

पूर्णांकः– 100
मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80
आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावनाः–मध्यकालीन काव्य (रीतिकाल) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को समग्रता से समझने के लिए अनिवार्य है।
इस प्रश्न पत्र में 03 कवि पठनीय है उनकी कालजयी कृतियों का उल्लेख यहाँ किया गया है। द्रुतपाठ रूप के अध्ययन के लिए 05 कवि चयनित है।

पाठ्य विषयः– व्याख्या एवं निवेचन के लिए निम्नलिखित 03 कवियों का अध्ययन किया जायेगा–
इकाई 01– सूरदास– व्याख्या– भ्रमरगीत सार संपा.– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल– पद संख्या 01 से 10, 21 से 30, 51 से 60, 61 से 70 (कुल 40 पद)।
आलोचना– सूर व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भ्रमरगीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि, भक्तिभावना, वियोग वर्णन, उपालंभ काव्य , सूर की गोपियाँ, सूर के उद्धव, काव्य कला।

इकाई 02– तुलसीदास – व्याख्या– रामचरितमानस(गीता प्रेस) सुन्दर काण्ड पूर्ण।
आलोचना तुलसीदास व्यक्तित्व एवं कृतित्व, भक्ति भावना, महाकाव्यत्व, लोक जीवन एवं संस्कृति, काव्य कला, लोकनायकत्व, दार्शनिकता, गीतितत्व, भाषाशैली, अलंकार योजना।

इकाई 03– बिहारीलाल– व्याख्या – बिहारी रत्नाकर संपा.– जगन्नाथ प्रसाद रत्नाकर (प्रारंभिक 80 दोहे)

आलोचना– बिहारी व्यक्तित्व एवं कृतित्व, संयोग–वियोग, निरूपण, सौदर्य चित्रण, बहुज्ञता, काव्य सौदर्य, काव्य कला, भाषा शैली, अंलकार योजना।

इकाई 04– निम्नांकित 05 कवियों का अध्ययन किया जाना है–

1. धनानंद 2. केशवदास 3. देव 4. भूषण 5.पद्रमाकर

इकाई 05– लधुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से ।

इकाई विभाजन	**अंक विभाजन**
इकाई 01– सूरदास व्याख्या	07
सूरदास आलोजना	08
इकाई 02– तुलसीदास व्याख्या	07
तुलसीदास आलोजना	08
इकाई 03– बिहारी व्याख्या	07
बिहारी आलोचना	08
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न (दो)	7 / 8
इकाई 05–अतिलघुउत्तरीयवस्तुनिष्ठ / लघुउत्तरीय (पांच)	05×2=10
सम्पूर्ण पाठ्यक्रम (दस)	10×1=10
	योग=80
	आंतरिक मूल्यांकन =20

सहायक पुस्तकें:–

1. रीतिकालीन तथ्य और चिंतन – डॉ. सरोजनी पाण्डेय
2. मध्यकालीन कवियों के काव्य के काव्य सिद्धांत – डॉ. छबिनाथ त्रिपाठी
3. कृष्ण काव्य और सूर – डॉ. प्रेमशंकर
4. गोस्वामी तुलसीदास व्यक्ति और काव्य – डॉ. रमेशचंद्र शर्मा, डॉ. रूचि बाजपेयी
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. नगेन्द्र

सेमेस्टर–II
प्रश्नपत्र–III (अनिवार्य)
आधुनिक गद्य साहित्य(उपन्यास एवं कहानी)

पूर्णांकः– 100
मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80
आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावनाः–आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव–मन और मस्तिष्क के अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग विराग, तर्क–वितर्क तथा चिंतन–मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढ़ग से गद्य में अभिव्यंजित होता है, वैसा अन्य साहित्यरूप में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़–शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी व्यक्तित्व एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति, परिवेश,परिस्थिति तथा चिंतन की विकास–प्रकिया के साथ सहज प्रमाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है।

पाठ्य विषयः–

व्याख्या एवं विवेचना के लिए निर्धारित–

इकाई 01– उपन्यास–

व्याख्या– गोदान – प्रेमचन्द्र

समीक्षा– प्रेमचन्द्र व्यक्तित्व एवं कृतित्व, उपन्यास के तत्वों के आधार पर गोदान की समीक्षा।

इकाई 02 – (अ) हिन्दी गद्य की अन्य विधाएं।

(ब) महादेवी का गद्य एवं साहित्य।

इकाई .03– कहानी–

व्याख्या–

1. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी	–	उसने कहा था
2. जयशंकर प्रसाद	–	पुरस्कार
3. प्रेमचन्द्र	–	पूस की रात
4. निर्मल वर्मा	–	परिन्दे
5. उषा प्रियम्बदा	–	वापसी
6. रांगेय राघव	–	बिरादरी बाहर

समीक्षा– निर्धारित कहानीकारों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व , कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी की समीक्षा।

इकाई 04–निम्नांकित उपन्यासकार एवं कहानीकार का सामान्य अध्ययन किया जाना है–

1. उपन्यासकार–
   1. जैनेन्द्र 2. भगवतीचरण वर्मा 3.अमृत लाल नागर 4. मृणाल पाण्डेय
2. कहानीकार–
   1. अज्ञेय 2.यशपाल 3.ममता कलिया 4. अमरकांत

इकाई05– लधुउत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न, अतिलधुउत्तरीय संपूर्ण पाठ्यक्रम से।

इकाई विभाजन	**अंक विभाजन**
इकाई 01– गोदान व्याख्या	07
गोदान समीक्षा	08
इकाई 02– मैला आंचल व्याख्या	07
मैला आंचल समीक्षा	08
इकाई 03– निर्धारित निबंधों से व्याख्या	07
निर्धारित निबंधों से समीक्षा	08
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न (दो)	7/8
लधुउत्तरीय प्रश्न (पांच)	5×2=10
इकाई 05–अतिलधुउत्तरीय सम्पूर्ण पाठ्य (दस)	10×1=10
	योग = 80
	आंतरिक मूल्यांकन = 20

सहायक पुस्तकें–

1. हिन्दी की कालजयी कहानियों में मानवीय मूल्य – डॉ. राजेन्द्र सिंह चौहान
2. हिन्दी उपन्यासों की समीक्षा – डॉ. जाधव, डॉ. कुर्रे
3. हिन्दी उपन्यास : वस्तु एवं शिल्प – डॉ. श्रद्धा उपाध्याय
4. हिन्दी कहानी का प्रगतिशील रवैया – डॉ. बी.के. सुब्रमणियम
5. हिन्दी साहित्य का इतिहास – डॉ. श्रीनिवास शर्मा
6. प्रेमचंद और अमृत लाल नागर के उपन्यासों में प्रतिफलित सामाजिक चेतना– डॉ. डी.एस.ठाकुर प्रकाशनः पंकज बुक्स, पटपड़गंज, दिल्ली

सेमेस्टर–II
प्रश्नपत्र–IV (अनिवार्य)
हिन्दी भाषा

पूर्णांकः– 100
मुख्य सेमेस्टर परीक्षा :– 80
आंतरिक मूल्यांकन :– 20

प्रस्तावनाः–भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकास क्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिन्दी के अध्येताओं के लिये अत्यंत उपयोगी है।

पाठ्य विषयः–

इकाई 01– हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि , प्राचीन भारतीय आर्य भाषायें– वैदिक तथा लौकिक संस्कृति एवं उनकी विशेषतायें।
भारतीय आर्य भाषायें – पाली, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषतायें।
आधुनिक भारतीय आर्य भाषायें और उनका वर्गीकरण।

इकाई02– हिन्दी का भौगोलिक विस्तार– हिन्दी की उपभाषाएं, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ीबोली, ब्रज और अवधि की विशेषतायें।

इकाई 03– हिन्दी का भाषिक स्वरूप – हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था – खंड्य, खड्येत्तर
हिन्दी शब्द रचना– उपसर्ग, प्रत्यय , समास। रूपरचना–लिंग, वचन और कारकव्यवस्था के संदर्भ में हिन्दी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और किया रूप।
हिन्दी वाक्य – रचनाः पदक्रम और अन्विति।

अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर(छत्तीसगढ़)

सेमेस्टर पाठ्यक्रम

एम.ए. हिन्दी

इकाई 04– हिन्दी के विविध रूप– संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, मातृभाषा माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति।
हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधायें – आकड़ा–संसाधन और शब्द –संसाधन, वर्तनी–शोधक, मशीन अनुवाद, हिन्दी और मानकीकरण।.
देवनागरी लिपि :– विशेषतायें और मानकीकरण।

इकाई 05– लधुउत्तरीय /वस्तुनिष्ठप्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम से ।

इकाई विभाजन		**अंक विभाजन**
इकाई 01– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 02– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 03– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 04– आलोचनात्मक प्रश्न	01	15×1 = 15
इकाई 05– लधुउत्तरीय प्रश्न (पांच)	01	5×2 = 10
अतिलधुउत्तरीय/वस्तुनिष्ठ (दस)		8×1 = 08
		योग– 80
		आंतरिक मूल्यांकन – 20

सहायक पुस्तकें–

1. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा – डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी – डॉ. सुनीति कुमार चटर्जी
3. राष्ट्र हिन्दी : मेरे विचार – डॉ. धर्मवीर चंदेल
4. हिन्दी भाषा एक अबाध प्रवाह – डॉ. मीता, डॉ. सुमन
5. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा – डॉ. बी.डी. शर्मा